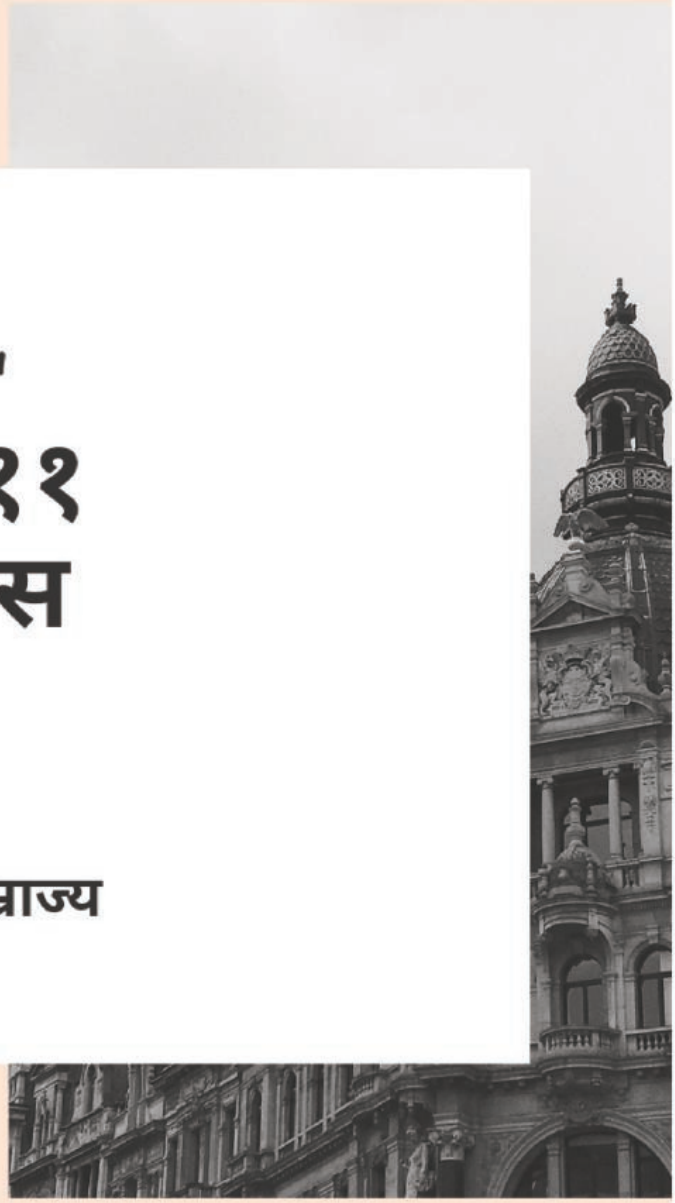
aglasem.com

कक्षा ११ इतिहास नोट्स

यायावर साम्राज्य



Key Notes and Important Questions with Answers

विषय - 5
यायावर साम्राज्य

स्मरणीय तथ्य

1. यायावर समाजों के ऐतिहासिक स्त्रोत हैं – इतिवृत, यात्रा वृतांत नगरीय सहित्यकारों के दस्तावेज। कुछ निर्णायक स्त्रोत हमें चीनी, मंगोली, फारसी और अरबी भाषा में भी उपलब्ध है।
2. यायावर साम्राज्य की अवधारणा विरोधात्मक प्रतीत होती है। क्योंकि यायावर लोग मूलतः घुमक्कड़ होते हैं। मध्य एशिया के मंगोलो ने पार महाद्वीपीय साम्राज्य की स्थापना की और एक भयानक सैनिक तंत्र और शासन संचालन की प्रभावी पद्धतियों का सूत्रपात किया।
3. मध्य–एशिया के स्टेपी प्रदेश में, तेरहवीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में चंगेज खान ने मंगोलों को संगठित किया। मंगोल विविध जन समुदाय का एक निकाय थे जिनमें तातार, खितान, मंचू व तुर्की कबीले शामिल थे। ये लोग पशुपालक, शिकारी संग्राहक थे और कृषि कार्य नहीं करते थे। इन्हें मंगोल कहा गया। नृजातीय और भाषायी संबंधों ने मंगोलों को परस्पर जोड़ रखा था।
4. स्टेपी क्षेत्र में संसाधनों की कमी के कारण मंगोलों तथा मध्य एशिया के यायावरों को व्यापार एवं वस्तु–विनिमय के लिए पड़ोस में स्थित चीन में जाना पड़ता था। चीनी लोगों को यह शिकार किए गए पशु, घोड़े तथा फर देकर बदले में कृषि उत्पाद तथा लोहे के उपकरण लाते थे।
5. 'बर्बर' शब्द यूनानी भाषा के बारबरोस शब्द से उत्पन्न हुआ है जिसका तात्पर्य गैर–यूनानी लोगों से है।
6. यायावर कबीले चीन पर बार–बार आक्रमण करते थे और नगरों को लूट लेते थे। उनके आक्रमणों से चीन की सुरक्षा के लिए चीनी शासकों ने 'महान दीवार' बनाई।
7. चंगेज खान, जिसका प्रारंभिक नाम तेमुज़िन था, 1206 तक उसने अपने शत्रुओं को निर्णायक रूप से पराजित कर दिया था और स्टेपी क्षेत्र का सबसे प्रभावशाली व्यक्ति बन गया। इसीलिए 1206 में कुरिलताई की एक सभा में उसे चंगेज खान 'समुद्री खान' या 'सार्वभौम शासक' की उपाधि के साथ मंगोलों का महानायक घोषित किया गया।

8. चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियां विस्मित कर देने वाली थी – कुशल घुड़सवारी ने उसकी सेना को गति प्रदान की, घोड़े पर सवार होकर तीरंदाजी का कौशल अद्‌भुत था, घेराबंदी यंत्र और नेफ़्था बमबारी और अभियानों के दौरान हल्के, चल उपस्करों का उपयोग। चंगेज खान ने मंगोलों को एक सशक्त अनुशासित सैन्य शक्ति के रूप में संगठित किया जिससे उसके सैन्य अभियानों की सफलता तय हो गई।

9. चंगेज़ खान द्वारा सेना का पुनर्गढन – प्रचीन जनजातीय समूहों को विभाजित कर उनके सदस्यों का नवीन सैनिक इकाइयों में विभाजन। तुमन – सेना की सबसे बडी इकाई (इस हजार सैनिको की टुकडी जिसमें अनेक कुल और कबीले के लोग शामिल।

10. नयी सैनिक टुकडियों को, जो उसके चार पुत्रों के अधीक थी। नौयान कहा जाता था।

11. अपने राज्य के दूर दराज के स्थानों में परस्पर सम्पर्क रखने के लिए फुर्तीली हरकारा पद्धति अपनाई। अपेक्षित दूरी पर निर्मित चौकियों में स्वस्थ व बलवान घोड़े तथा घुड़सवार संदेशवाहक तैनात थे, इसके लिए मंगोल अपने घोड़े या अन्य पशुओं का दसवाँ हिस्सा कुबकुर प्रदान करते थे।

12. चंगेज खान ने नवविजित प्रदेशों का शासन अपने चार पुत्रों को सौंप दिया। इस प्रकार चार उलुस का गठन हुआ।

13. तेरहवीं शताब्दी के मध्य तक मंगोलों का एक एकीकृत जनसमूह बन गया था जिन्होंने एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया। उन्होंने अत्यंत जटिल शहरी समाजों पर शासन किया जिनके अपने–अपने इतिहास, संस्कृतियां और नियम थे। अपने साम्राज्य पर राजनीतिक प्रभुत्व होने के बावजूद संख्यात्मक रूप से मंगोल अल्पसंख्यक रहे। अपनी पहचान और विशिष्टता की रक्षा के लिए उन्होंने 'यास' विधि संहिता को अपनाया।

14. 'यास' को प्रारंभिक स्वरूप में यसाक लिखा जाता था। इसे चंगेज खान ने सन् 1206 ई. में कुरिलताई में लागू किया था। इसका अर्थ था – विधि, आज्ञप्ति व आदेश। इसमें प्रशासनिक विनियम हैं जैसे आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन।

15. मंगोलों के पतन के मौलिक कारण थे :

    1) उनकी संख्या बहुत कम थी और वह अपनी प्रजा की अपेक्षा कम सभ्य थे।

2) आपसी विरोध व अपनी सभ्यता को विजित देशों की सभ्यता में मिलाना।

3) मंगोलों द्वारा अन्य धर्मों का अपनाया जाना।

16. मंगोलों के लिए चंगेज खान एक महान शासक था – उसने मंगोलों को संगठित किया, कबीलाई लड़ाइयों और चीनियों द्वारा शोषण से मुक्ति दिलाई, पारमहाद्वीपीय साम्राज्य बनाया, व्यापार के रास्ते तथा बाजारों को पुनर्स्थापित किया। इनका शासन बहु–जातीय, बहुभाषी, बहु–धार्मिक था।

17. अब मंगोलिया एक स्वतंत्र राष्ट्र है और चंगेज खान एक महान राष्ट्रनायक के रूप में तथा आराध्य शक्ति के रूप में मान्य है।

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. 'बर्बर' राष्ट्र से क्या तात्पर्य है?
2. 'कुबकुर' से क्या अभिप्राय है?
3. मंगोल कौन थे?
4. यायावर साम्राज्य से क्या अभिप्राय है?
5. चंगेज खान को 'समुद्री खान' की उपाधि क्यों दी गई?
6. अपने साम्राज्य में सुरक्षित यात्रा के लिए मंगोलों ने क्या व्यवस्था की हुई थी?
7. गजन खान द्वारा कृषकों का पक्ष लेने के क्या कारण थे?
8. स्टेपी निवासियों के इतिहास के विषय में हमें किन स्त्रोतों से जानकारी प्राप्त होती है?
9. मंगोलो के लिए व्यापार क्यों महत्वपूर्ण था?
10. चीनी शासकों ने 'महान दीवार' का निर्माण क्यों करवाया?
11. नोयान से क्या अभिप्राय है?

लघु प्रश्न (4 अंक वाले)

12. विजित प्रदेश के लोगों को अपने यायावर शासकों से कोई लगाव नहीं था। इसके लिए उत्तरदायी कारणों को लिखिए।

13. मंगोल कबीलों को नवीन सामाजिक और सैनिक इकाइयों में विभक्त करने की आवश्यकता क्यों अनुभव की गई?
14. मंगोलो के सैनिक प्रबंधन पद्धति क्या थी? उसकी क्या विशेषताएँ थी?
15. चंगेज खान की हरकारा पद्धति क्या थी? उसकी क्या विशेषताएँ थी?
16. चंगेज खान के चार पुत्रों के नाम लिखकर इनके द्वारा शासित प्रदेशों कां संक्षिप्त विवरण दीजिए।
17. जमूका कौन था? चंगेज खान ने जमूका को परास्त करने के लिए कौन–सी नीति अपनाई?
18. मंगोलों के इतिहास पर विश्वास न करने के क्या कारण हैं?
19. मंगोलों की सामाजिक स्थिति का उल्लेख कीजिए।
20. चंगेज खान एक महान शासक था इसके क्या कारण थे?

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले)

21. चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियों का वर्णन कीजिए। उसकी सफलता के क्या कारण थे?
22. 'यास' क्या था? इसके अर्थ में परिवर्तन आने के क्या कारण थे? यास के महत्व की विवेचना कीजिए।
23. मंगोल साम्राज्य के पतन के कारणों का वर्णन कीजिए।
24. चंगेज खान कौन था? चंगेज खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में क्या स्थान है, मूल्यांकन कीजिए।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

21. चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियाँ
    - कुशल घुड़सवार सेना
    - तीरंदाजी का अद्‌भुत कौशल
    - मौसम की जानकारी
    - घेरा बंदी की नीति
    - नेफ़्था बमबारी की शुरूआत

- हल्के चल उपरस्करों का निर्माण
- अन्य उपयुक्त बिन्दु

22. • 'यास' प्रारंभिक स्वरूप में यसाक वह नियम संहिता थी जिसे चंगेज खान ने 1206 में कुरिलताई में लागू किया।
- अर्थ–विधि, आज्ञप्ति, आदेश।
- आखेट सैन्य व डाक प्रणाली के संगठन के विनियम।

  अर्थ में परिवर्तन के कारण
- 13वीं शताब्दी के मध्य तक मंगोलों द्वारा एकीकृत विशाल साम्राज्य का गठन।
- उनके द्वारा जटिल शहरी सामाजों पर शासन पर संख्यात्मक रूप में अल्पसंख्यक।
- अपनी पहचान व विशिष्टता की रक्षा के लिए यास के पवित्र नियम के अविष्कार का दावा।
- यास को अपने पूर्वज चंगेज खान की विधि संहिता कहकर प्रजा पर लागू करवाया।
- यास में समान आस्था रखने वाले मंगोलों को संयुक्त किया।
- चंगेज व उसके वंशजों की मंगोलों से निकटता स्वीकृत।
- यास से वंशजों की कबीलाई पहचान बरकरार।
- पराजित लोगों पर नियम लागू करने का आत्मविश्वास।
- यास चंगेज खान की कल्पना शक्ति से प्रेरित था व विश्व व्यापी मंगोल राज्य की संरचना में सहायक था।

23. मंगोल साम्राज्य का पत्तन :

मंगोलों के पतन के मौलिक कारण थे :

- उनकी संख्या बहुत कम थी वह अपनी प्रजा की अपेक्षा कम सभ्य थे
- आपसी विरोध व अपनी सभ्यता को विजित देशों की सभ्यता में मिलाना।
- मंगोलों द्वारा अन्य धर्मों का अपनाया जाना।

  अन्य उपयुक्त बिन्दु।

24. चंगेज खान का जन्म 1162 ई. मंगोलिया, प्रारंभिक नाम तेमुजिन। 1206 ई. में शक्तिशाली जमूका और नेमन लोगों को निर्णायक रूप से पराजित करने के बाद तेमुजिन स्पेपी क्षेत्र की राजनीति में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरा। उसने चंगेज खान, समुद्रि खान या 'सार्वभौम शासक' को उपाधि–धारण की और मंगोलों का महानायक घोषित किया गया।

चंगेज खान और मंगोलों का विश्व का इतिहास में स्थान –

- मंगोलों के लिए चंगेज खान एक महान शासक था।
- उसने मंगोलों को संगठित किया।
- चीनियों द्वारा शोषण से मुक्ति दिलाई।
- पार महाद्वीपीय साम्राज्य बनाया।
- व्यापार के रास्ते तथा बाजारें को पुनर्स्थापित किया।
- इसका शासन बहुजातीय, बहुभाषी, बहुधार्मिक था।
- अब मंगोलिया एक स्वतंत्र राष्ट्र है और चंगेज खान एक महान राष्ट्रनायक के रूप में तथा अराध्य व्यक्ति के रूप में मान्य है।